भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित **''पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड''** विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला सफलतापूर्वक सम्पन्न हुयी। इस अवसर को मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा सुशोभित किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का अभिवादन करते हुए पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका की सार्थकता पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया साथ ही बताया कि वर्तमान समय में वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय। विशिष्ट अतिथि डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम को कराते रहना चाहिए, जो कि पर्यावरण सुधार के लिए उपयुक्त साबित होंगे। समारोह में केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तकों यथा–**''ग्रीन डाइजेस्ट–प्राइमर फॉर इनवायरमेंट कंजरवेशन''**, **''कृषि वानिकी–प्रजातियां एवं प्रबन्धन''** तथा **''रिक्लेमेशन ऑफ डिग्रेडेड साइट्स''** का विमोचन किया गया। पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड की रचना के सम्बन्ध में प्रतिभागियों तथा विशेषज्ञों के मध्य सामूहिक चर्चा करते हुए स्वास्थ्य कार्ड को अन्तिम रूप देने हेतु सुझाव प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला की संस्तुतियों को अन्तिम रूप दिया गया। कार्यशाला का सफल संचालन केन्द्र की प्रमुख परियोजना में कार्यरत शोध अध्येता, सांचिली वर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के उपस्थित भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा सामाजिक कौशल एवं पर्यावरण की जीवन शैली पर चर्चा किया गया। कार्यशाला के अन्त में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला के समापन दिवस में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव एवं डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. डी. शुक्ला, तकनीकी अधिकारी–रतन कुमार गुप्ता, तकनीकी सहायक–धर्मेन्द्र कुमार, स्थापना एवं लेखा विभाग के कर्मचारी हरीश कुमार एवं अम्बूज कुमार तथा विभिन्न शोध छात्र आदि के सहयोग से कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।

मुख्य अतिथि
डॉ. रेनू सिंह, भा.व.से.
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

डॉ. संजय सिंह
केन्द्र प्रमुख
पा.पु.के., प्रयागराज

विशिष्ट अतिथि
डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक
एनसीएससीएम, चेन्नई

LiFE
NCSCM
भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला
भा०वा०अ०शि०प०
पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज
I.C.F.R.E.
ECO-REHABILITATION CENTRE
PRAYAGRAJ
RENU SINGH
SANJAY SINGH

भा०वा०अ०शि०प०
पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज
I.C.F.R.E.
ECO-REHABILITATION CENTRE
PRAYAGRAJ
PURVAJA RAMACHANDRAN
RENU SINGH

PURVAJA RAMACHANDRAN
RENU SINGH

केन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन

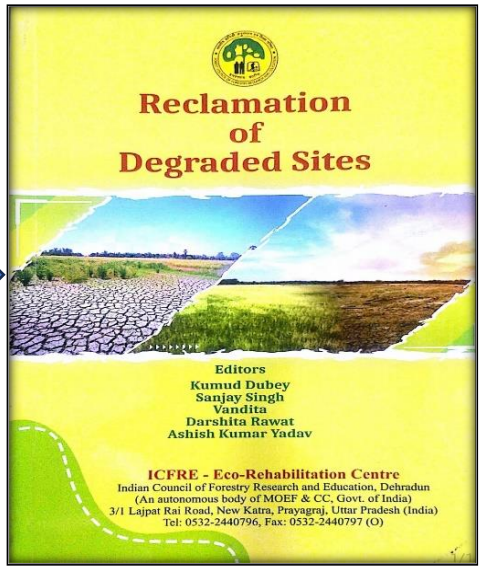

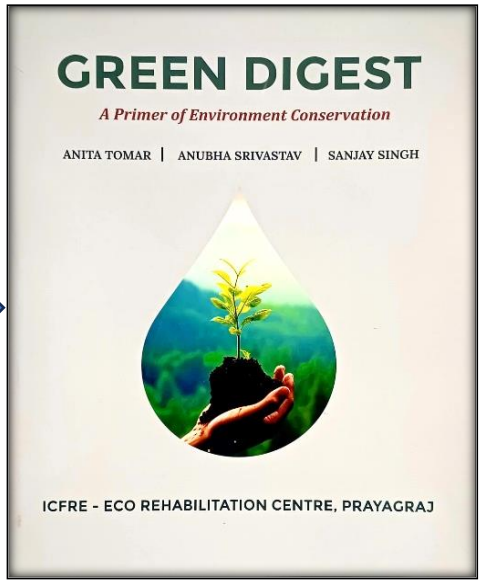

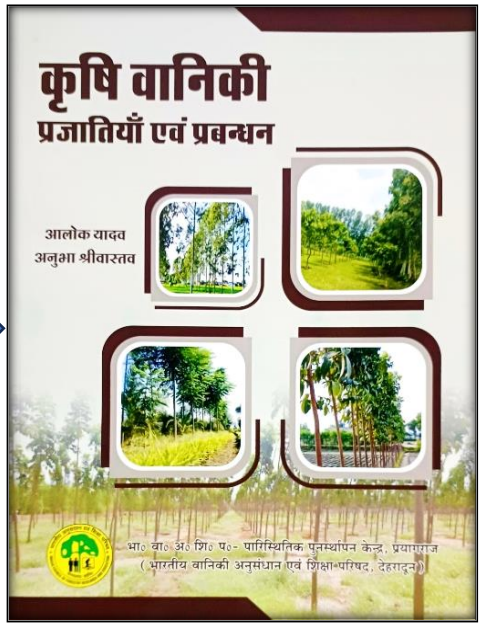

प्रमाण–पत्र वितरण

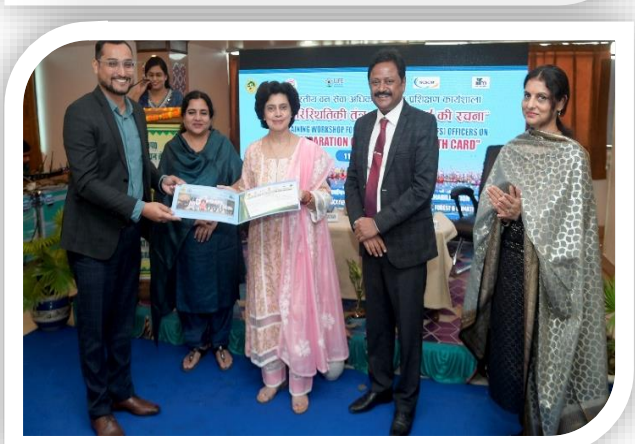

"Invasive Species: Indicators of Wetland Health and Ecosystem Integrity"

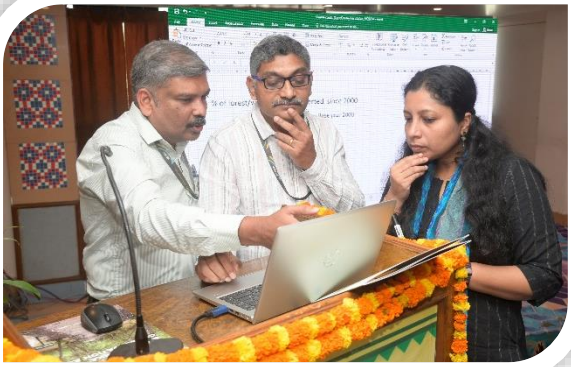

NCSCM
Preparation of Wetlands Health Cards-methodology
Dr. Robin R.S.
भा०वा०अ०शि०प०
पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र
प्रयागराज

"PREPARATION OF ECOSYSTEM HEALTH CARDS"

ग्रुप फोटोग्राफ

मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह, भा.व.से. कुलपति एवं निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान समविश्वविद्यालय एवं वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के साथ केन्द्र के अधिकारी एवं समस्त प्रतिभागी भारतीय वन सेवा अधिकारी

भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

अमृत प्रभात, प्रयागराज (नि.सं.)। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ''पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड'' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई। इस अवसर को मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा सुशोभित किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का अभिवादन करते हुए पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका की सार्थकता पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया साथ ही बताया कि वर्तमान समय में वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि परिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय। विशिष्ट अतिथि डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने उदबोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए, जो कि भविष्य के लिए उपयुक्त साबित होंगे। समारोह में केन्द्र द्वारा प्रकाशित ग्रीन डाइजेस्ट–प्राइमर फॉर इनवायरमेंट कंजरवेशन, कृषि वानिकी–प्रजातियां एवं प्रबन्धन तथा रिक्लेमेशन ऑफ डिग्रेडेड साइट्स पुस्तकों का विमोचन किया गया।

'Ecosystem Health Card' workshop for forest officers concludes

Prayagraj: A three-day training workshop on 'Ecosystem Health Card', organised by the ministry of environment, forest and climate change, govt of India, for Indian Forest Service officers, concluded on Wednesday. Director of the Forest Research Institute, Dehradun, Renu Singh, was the chief guest of the event.

Director, FRI spoke about the research related to specific ecology and said that the main responsibility of forest officers is to focus on work to improve the ecosystem. Special guest Purvaja Ramachandran, director of NCSCM, Chennai, said that such training programmes should be frequently conducted .

During the workshop, books published by the centre, including 'Green Digest-Primer for Environment Conservation,' 'Agroforestry-Species and Management,' and 'Reclamation of Degraded Sites,' were released.

On the second day of the three-day workshop, the participants also discussed the methods of maintaining the standard level of purity of the water of the Saryu River during their visit to Ayodhya. TNN

भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

पइलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज । भा.वा.अ.शि.प पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 'पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला बुधवार को

सम्पन्न हुई।

मुख्य अतिथि वन अनुसंधान संस्थान देहरादून की निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि परिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका की सार्थकता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि एनसीएससीएम, चेन्नई के निदेशक डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए, जो भविष्य के लिए उपयुक्त साबित होंगे।

समारोह में केन्द्र द्वारा प्रकाशित ग्रीन डाइजेस्ट-प्राइमर फॉर इनवायरमेंट कंजरवेशन, कृषि वानिकी-प्रजातियां एवं प्रबन्धन तथा रिक्लेमेशन ऑफ डिग्रेडेड साइट्स पुस्तकों का विमोचन किया गया। तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों द्वारा अयोध्या भ्रमण के दौरान सरयू नदी के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला का संचालन शोध अध्येता, साँचिली वर्मा ने किया। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों के उपस्थित भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा सामाजिक कौशल एवं पर्यावरण की जीवन शैली पर चर्चा की गई।

अन्त में पाठ्यक्रम समन्वयक वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समापन दिवस पर केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी. शुक्ला, तकनीकी सहायक धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार तथा अन्य विभिन्न शोध छात्र आदि के सहयोग से कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।

भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

प्रभात वंदना संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प. पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आज संपन्न हुई। इस अवसर को मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा सुशोभित किया गया।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा, मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का अभिवादन करते हुए पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका की सार्थकता पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया साथ ही बताया कि वर्तमान समय में वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि परिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय। विशिष्ट अतिथि डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने उदबोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए, जो कि भविष्य के लिए उपयुक्त साबित होंगे। समारोह में केन्द्र द्वारा प्रकाशित ग्रीन डाइजेस्ट-प्राइमर फॉर इनवायरमेंट कंजरवेशन, कृषि वानिकी-प्रजातियां एवं प्रबन्धन तथा रिक्लेमेशन ऑफ डिग्रेडेड साइट्स पुस्तकों का विमोचन किया गया। पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड की रचना के सम्बन्ध में प्रतिभागियों तथा विशेषज्ञों के मध्य सामूहिक चर्चा करते हुए स्वास्थ्य कार्ड को अन्तिम रूप देने हेतु सुझाव प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला की संस्तुतियों को अन्तिम रूप दिया गया। तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन में, प्रतिभागियों द्वारा अयोध्या भ्रमण

के दौरान सरयू नदी के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर भी चर्चा किया गया। कार्यशाला का सफल संचालन शोध अध्येता, साँचिली वर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के उपस्थित भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा सामाजिक कौशल एवं पर्यावरण की जीवन शैली पर चर्चा किया गया। कार्यशाला के अन्त में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला के समापन दिवस में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी-डॉ. एस.डी. शुक्ला, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार तथा अन्य विभिन्न शोध छात्र आदि के सहयोग से कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।

पारिस्थितिकी तंत्रके सुधार कार्य ही वन अधिकारियोंका मुख्य दायित्व-डा.रेनू सिंह

भारतीय वन सेवा अधिकारियोंकी प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

भागाआशिप-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हुई। भारत सरंकार द्वारा प्रायोजित "पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड" विषयक कार्यशाला में मुख्य अतिथि डा.रेनू सिंह निदेशक वन अनुसंधान संस्थान देहरादून ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यों के बारे में जानकारी दी। बताया कि वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि परिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय। केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। डा. पूर्वजा रामचन्द्रन निदेशक एनसीएससीएम चेन्नई ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए, जो कि भविष्य के लिए उपयुक्त साबित होंगे। कार्यशाला का संचालन शोध अध्येता, सांचिली वर्मा ने किया। कार्यशाला में विभिन्न राज्यों से भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ शामिल हुए। डा.अनीता तोमर, डा.कुमुद दुबे, आलोक यादव, डा.अनुभा श्रीवास्तव, डा.एसडी. शुक्ला, धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार सहित शोध छात्र रहे।

भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित %%पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड%% विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आज संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा सुशोभित किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा, मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का अभिवादन करते हुए पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका की सार्थकता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। साथ ही बताया कि वर्तमान समय में वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि परिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय।

विशिष्ट अतिथि डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने उदबोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए, जो कि भविष्य के लिए उपयुक्त साबित होंगे।

तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन में, प्रतिभागियों द्वारा अयोध्या भ्रमण के दौरान सरयू नदी के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर भी चर्चा किया गया। कार्यशाला का सफल संचालन शोध अध्येता, साँचिली वर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के उपस्थित भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा सामाजिक कौशल एवं पर्यावरण की जीवन शैली पर चर्चा किया गया। कार्यशाला के अन्त में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला के समापन दिवस में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी-डॉ. एस.डी. शुक्ला, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार तथा अन्य विभिन्न शोध छात्र आदि के सहयोग से कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।

भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

बीके यादव/बालजी दैनिक

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.– पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित

पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला वुधवार को संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा सुशोभित किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा, मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का अभिवादन करते हुए पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका की सार्थकता पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यों के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया साथ ही बताया कि वर्तमान समय में वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि परिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय। विशिष्ट अतिथि डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक, एनसीएससीएम, चेन्नई ने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए, जो कि भविष्य के लिए उपयुक्त साबित होंगे। समारोह में केन्द्र द्वारा प्रकाशित ग्रीन डाइजेस्ट–प्राइमर फॉर इनवायरमेंट कंजरवेशन, कृषि वानिकी–प्रजातियां एवं प्रबन्धन तथा रिक्लेमेशन ऑफ डिग्रेडेड साइट्स पुस्तकों का विमोचन किया गया। पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य कार्ड की रचना के सम्बन्ध में प्रतिभागियों तथा विशेषज्ञों के मध्य साममूहिक चर्चा करते हुए स्वास्थ्य कार्ड को अन्तिम रूप देने हेतु सुझाव प्रस्तुत करते हुए कार्यशाला की संस्तुतियों को अन्तिम रूप दिया गया। तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन में, प्रतिभागियों द्वारा अयोध्या भ्रमण के दौरान सरयू नदी के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर भी चर्चा किया गया। कार्यशाला का सफल संचालन शोध अध्येता, साँचिली वर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के उपस्थित भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा सामाजिक कौशल एवं पर्यावरण की जीवन शैली पर चर्चा किया गया। कार्यशाला के अन्त में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला के समापन दिवस में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी–डॉ. एस.डी. शुक्ला, तकनीकी सहायक–धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार तथा अन्य विभिन्न शोध छात्र आदि के सहयोग से कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।